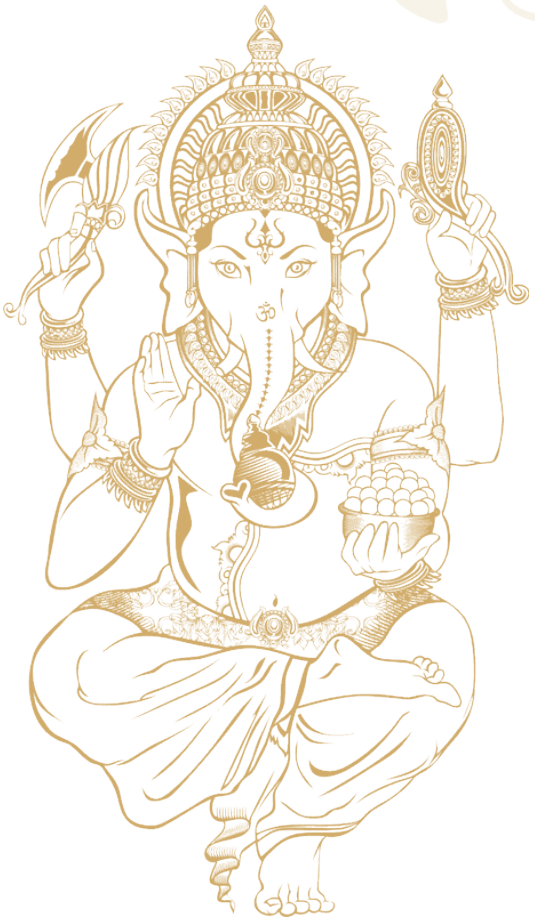

Ankit

22 Sep 1999

05:30 AM

Jodhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121638404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/09/1999**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**05:30:00 घंटे**
इष्ट	57:41:32 घटी
स्थान	**Jodhpur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:18:00 उत्तर
रेखांश	73:08:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:37:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:52:32 घंटे
वेलान्तर	00:06:41 घंटे
साम्पातिक काल	04:54:12 घंटे
सूर्योदय	06:25:23 घंटे
सूर्यास्त	18:35:40 घंटे
दिनमान	12:10:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:42:11 कन्या
लग्न के अंश	21:24:37 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	सुकर्मा
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खो-खोकरन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	21:24:37	322:15:34	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			कन्या	04:42:11	00:58:39	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			मक	21:34:29	12:49:00	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
मंगल			वृश्चि	18:38:02	00:40:27	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	स्वराशि
बुध		अ	कन्या	15:29:59	01:39:53	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
गुरु	व		मेष	09:52:05	00:05:17	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	मित्र राशि
शुक्र			कर्क	27:07:18	00:22:47	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	22:52:14	00:02:22	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	नीच राशि
राहु	व		कर्क	18:17:05	00:00:25	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		मक	18:17:05	00:00:25	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	19:24:20	00:01:27	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप	व		मक	07:52:13	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	14:12:15	00:01:06	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	राहु	---
दशम भाव			वृष	20:59:26	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:58

लग्न-चलित

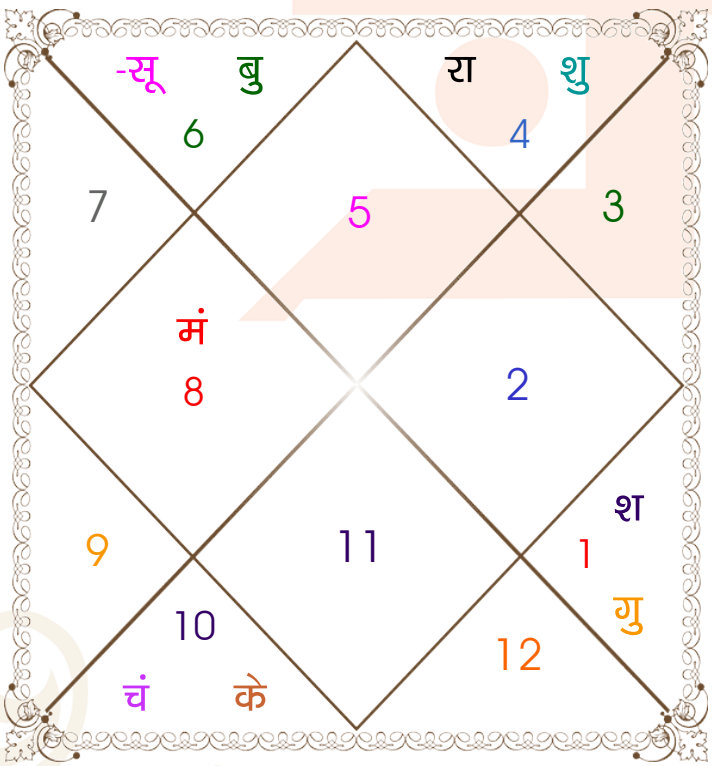

चन्द्र कुंडली

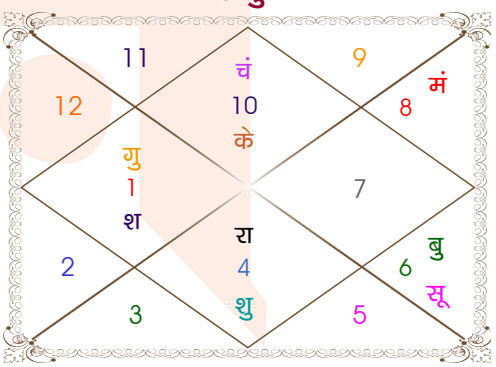

नवमांश कुंडली

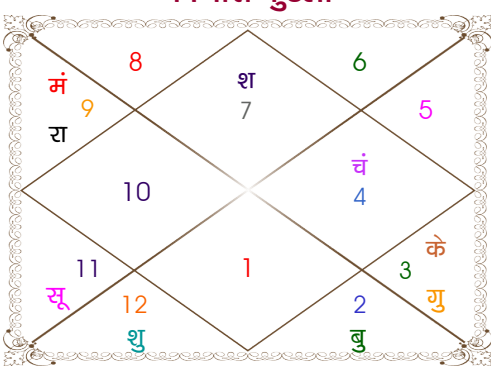

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 3 मास 25 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
22/09/1999		16/01/2001		16/01/2008		16/01/2026		16/01/2042	
16/01/2001		16/01/2008		16/01/2026		16/01/2042		16/01/2061	
	00/00/0000	मंगल	14/06/2001	राहु	28/09/2010	गुरु	05/03/2028	शनि	19/01/2045
	00/00/0000	राहु	02/07/2002	गुरु	21/02/2013	शनि	16/09/2030	बुध	29/09/2047
	00/00/0000	गुरु	08/06/2003	शनि	29/12/2015	बुध	22/12/2032	केतु	06/11/2048
	00/00/0000	शनि	17/07/2004	बुध	17/07/2018	केतु	28/11/2033	शुक्र	07/01/2052
	00/00/0000	बुध	14/07/2005	केतु	05/08/2019	शुक्र	29/07/2036	सूर्य	19/12/2052
	00/00/0000	केतु	10/12/2005	शुक्र	05/08/2022	सूर्य	17/05/2037	चंद्र	20/07/2054
	22/09/1999	शुक्र	09/02/2007	सूर्य	29/06/2023	चंद्र	16/09/2038	मंगल	29/08/2055
शुक्र	17/07/2000	सूर्य	17/06/2007	चंद्र	28/12/2024	मंगल	23/08/2039	राहु	05/07/2058
सूर्य	16/01/2001	चंद्र	16/01/2008	मंगल	16/01/2026	राहु	16/01/2042	गुरु	16/01/2061

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
16/01/2061		16/01/2078		16/01/2085		17/01/2105		17/01/2111	
16/01/2078		16/01/2085		17/01/2105		17/01/2111		00/00/0000	
बुध	14/06/2063	केतु	14/06/2078	शुक्र	17/05/2088	सूर्य	06/05/2105	चंद्र	17/11/2111
केतु	10/06/2064	शुक्र	14/08/2079	सूर्य	17/05/2089	चंद्र	05/11/2105	मंगल	17/06/2112
शुक्र	11/04/2067	सूर्य	20/12/2079	चंद्र	16/01/2091	मंगल	13/03/2106	राहु	17/12/2113
सूर्य	16/02/2068	चंद्र	20/07/2080	मंगल	17/03/2092	राहु	04/02/2107	गुरु	18/04/2115
चंद्र	17/07/2069	मंगल	16/12/2080	राहु	18/03/2095	गुरु	23/11/2107	शनि	17/11/2116
मंगल	14/07/2070	राहु	04/01/2082	गुरु	16/11/2097	शनि	04/11/2108	बुध	18/04/2118
राहु	31/01/2073	गुरु	10/12/2082	शनि	17/01/2101	बुध	11/09/2109	केतु	17/11/2118
गुरु	09/05/2075	शनि	19/01/2084	बुध	17/11/2103	केतु	17/01/2110	शुक्र	23/09/2119
शनि	16/01/2078	बुध	16/01/2085	केतु	17/01/2105	शुक्र	17/01/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 3 मा 19 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल हुआ था। साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर आपके जन्मकाल तुला का नवमांश एवं मेष का द्रेष्काण भी उदित था। सिंह राशीय संबंधित संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप पूर्ण शक्ति संपन्न पद पर आसीन होकर, सुव्यवस्थित ढंग से अत्यधिक धन का उपार्जन करेंगे।

आप अत्यंत धैर्यवान एवं मनोयोग पूर्वक किसी बात को श्रवण करने वाले हो। आप अपने अधिकारी को अच्छी प्रकार अनुकूल अनुभव करते हो। वे आप पर पूर्ण विश्वास पूर्वक कार्य भार सौंप देंगे तथा आप योजनानुरूप आदेश का पालन करेंगे। आपका अधिकारी भी आपकी ही तरह का धैर्यवान है जो आपको बहुत बड़ा लाभांश आपके कार्य अनुरूप प्रदान करेगा तथा आपके उदेश्य के अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने में पूर्ण सहयोग हेतु अनुकूल प्रमाणित होंगे।

एक बार आप अपने कार्यवश कहीं जाएंगे तो पूर्ण सकारात्मक रूप से कार्य सम्पादन करेंगे तथा किसी भी प्रकार की परेशानी उपस्थित होने पर भी आप संभवतः अल्पकाल में संभावित कार्य को पूर्ण कर लेंगे। आप किसी भी परिस्थिति में मन्दगति से नहीं चलेंगे। आपको एक स्थान से अन्य भीड़-भाड़ पूर्ण स्थान पर जाने आने में आपका शरीर व्यस्त रहता है। आप एक ही समय कई कार्यकलाप का संचालन करते हैं। इस प्रकार आपकी मनोवृत्ति के अनुकूल एवं उपयुक्त सरकारी सेवा कार्य के अंतर्गत प्रशासनिक स्तर के एवं बड़ी कम्पनी या निगम के उच्च पदाधिकारी, शैक्षणिक कार्य, चित्रकारिता, रेडियों, गायन एवं खेलकूद संबंधी कार्य व्यवसाय प्रतीत होता है।

आप अपनी समझदार पत्नी एवं चुस्त दुरूस्त प्यारी संतान से युक्त आपका परिवारिक जीवन उत्तम एवं भली प्रकार व्यतीत होगा तथा पत्नी एवं संतान आपको बहुत ही स्नेह प्रदान करेंगे। परन्तु आप अपनी जीवन संगिनी की मनोवृत्ति को अनुरूप नहीं सह सकेंगे। क्योंकि आपकी ये आकर्षक आंखें किसी अन्य स्त्री को पसन्द कर उसके साथ प्रेम प्रसंग प्रारंभ करा सकता है। आपको इन शंकाओं के संबंध में स्पष्टीकरण करके अपनी पत्नी को आश्वस्त करना चाहिए ताकि आपका पारिवारिक वातावरण आनन्द प्रदायक हो।

आपके लिए उत्तम धनोपार्जन का समय मुख्यतः 28 वर्ष की आयु से सतत चार वर्षों तक उत्तम रहेगा। जो आपके जीवन का सुन्दर समय प्रमाणित होगा। लेकिन आपकी समस्या यह है कि आप अतिरिक्त व्यय के प्रति समर्पित रहते हैं तथा समाज में प्रतापी एवं प्रभावशाली आयोजनों में सम्मिलित हुआ करेंगे। आपको बहुत पहले से ही उत्तम उन्नति हेतु धन संचय करना चाहिए। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो आपको अपने वृद्धावस्था के लिए धन का अभाव प्रतीत होगा।

आप बहुत अधिक यात्रा करेंगे तथा यात्रा क्रम में आप मित्र मण्डली का विस्तार करेंगे। परिणाम स्वरूप आपको लाभ एवं व्यय समान रूप से प्राप्त होंगे। आपकी सुविधा एवं लाभ हेतु परस्पर आदान-प्रदान करेंगे।

आप दानशील प्रवृति के पुरूष हैं, इस प्रकार की दानशीलता एवं उदारता पूर्ण सहयोग में कोई हिचकिचाहट नहीं रखते तथा कमजोर वर्ग के लोगों की उन्नति हेतु सहायक होंगे। जिसकी वजह से आपको सामाजिक स्तर में प्रसिद्धि प्राप्त होने के अवसर प्राप्त होंगे।

आपके लिए महत्वपूर्ण चेतावनी यह है कि आप अपने दैनिकचर्या की समय सारणी को उपयुक्त नहीं कर सके तो आयु वृद्धि के कारण आप वृद्धावस्था में प्रभावित हो सकते हैं। आप कार्यानुरूप अपने समय का बंटवारा कर लें अर्थात् कार्यानुरूप समय निर्धारित कर लें। ताकि आपको और आपके पारिवारिक सदस्यों को विश्राम प्राप्त हो सके। वर्त्तमान काल आप पूर्ण सामर्थ्य एवं अति सतर्क है। सम्प्रति आप की नसें तेज हैं। अस्तु अनिवार्य रूप विश्राम करने की आदतों में वृद्धि करें। आपको हृदय के रोग, रीढ़ की अथवा ज्वाइंट की हड्डियों के रोग एवं रक्तचाप आदि रोग से सुरक्षित रहने के लिए विश्राम करने की आदते डालना अनिवार्य है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक संभावित एवं अनुकूल प्रतीत होता है। अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।